ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३१
दिनांक- गुरुवार,१८ अप्रैल,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.७ एवं २१.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७७ सुबह में एवं दोपहर में ५६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.९ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.५ एवं दोपहर में ३४.९ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१९ से २३ अप्रैल ,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १९ से २३ अप्रैल, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। हाँलाकि इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान ३३ से ३६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २१ से २४ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ५-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले तीन दिनों तक पछिया तथा उसके बाद पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई गेहूँ एवं अरहर की कटनी तथा दौनी प्राथमिकता देकर संपन्न करें। खड़ी फसलों में सिंचाई शाम के समय में करें। ध्यान दें कि, सिंचाई करते समय हवा की गति कम हों।
- विगत माह में बोयी गई मूंग व उरद् की फसलों में निकाई-गुराई एवं बछनी करें। इन फसलों में सघन रोमोवाली सुंडिया की निगरानी करें। इनके सुंडियो के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये जाते है। यह मूंग एवं उरद् के पौधों के कोमल भागों विशेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी-कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक-थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान ५० ई०सी० दवा का २ मि०ली०/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिडकाव करें।
- प्याज फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी०दवा का १.० मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से छिडकाव करें। फल बनने के दौरान आम के बगीचे में नमी का रहना अति आवश्यक है।
- लीची के पेड़ में फल बेधक कीट के शिशु जो उजले रंग के होते हैं। यह फलों के डंठल के पास से फलो में प्रवेश कर गुद्दे को खाते हैं जिससे प्रभावित फल खाने लायक नहीं रहता। इस कीट से वचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० का १० मि०ली० या कार्बारिल ५० प्रतिशत घुलनशील पॉवडर का २० ग्राम दवा को १० लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में १५ दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव करें। किसान भाई लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें।
- बसंतकालीन मक्का की फसल जो घुटने की ऊचाई के बराबर हो गयी हो, मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यक नमी हेतु सिंचाई करें। इन फसलों में तना छेदक कीट की निगराणी करें। शुष्क एवं गर्म मौसम इस कीट के फैलाव के लिए अनुकूल वातावरण है। अण्डे से निकलने के बाद इस कीट की छोटी-छोटी सुंडियॉ मक्का की कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहूँच जाती है तथा गुद्दा को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ते हुए सुरंग बनाती है। फलस्वरुप मध्य कलिका मुरझाई हुई नजर आती है जो बाद में सुख जाती है। इस प्रकार पौधे की बढ़वार रुक जाती है एवं उपज में काफी कमी आती है। इस कीट के रोक-थाम हेतु क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में समान रुप से छिडकाव करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई एवं सिंचाई करें। सब्जियों में कीट एवं रोग-व्याधि की निगरानी प्राथमिकता से करते रहें। कीट का प्रकोप इन फसलों में दिखने पर मैलाथियान ५० ई०सी० या डाइमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- दूधारु पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.७ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २०.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ५.६ डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी